SWETA H. RANPURA

1

LECTURER

IN

SHREE H. N. SHUKLA GROUP OF COLLEGES, RAJKOT

B. A. DEPARTMENT

HINDI SUBJECT

F. Y. B. A. SEM - 1

ELECTIVE HINDI

PAPER - 2

“कथाभारती”

कथाभारती

3

UNIT - 4

मन्नू भंडारी

मन्नू भंडारी

4

मन्नू भंडारी:
जीवन परिचय

मन्नू भंडारी: जीवन परिचय

- **जन्म:-** ३ अप्रैल, १९३१
- **जन्मस्थान:-** मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले के भानपुरा गाँव मे
- **पिता:-** सुख सम्पतराय
- **बचपन का नाम:-** महेंद्र कुमारी
- **सम्मान:-** हिन्दी अकादमी,
  दिल्ली का शिखर सम्मान,
  भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता,
  राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,
  व्यास सम्मान और
  उत्तर-प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा पुरस्कृत।

- मन्नू भंडारी (जन्म ३ अप्रैल १९३१) हिन्दी की सुप्रसिद्ध कहानीकार हैं।
- मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले के भानपुरा गाँव में जन्मी मन्नू का बचपन का नाम महेंद्र कुमारी था। लेखन के लिए उन्होंने मन्नू नाम का चुनाव किया।
- उन्होंने एम ए तक शिक्षा पाई और वर्षों तक दिल्ली के मिरांडा हाउस में अध्यापिका रहीं।
- धर्मयुग में धारावाहिक रूप से प्रकाशित उपन्यास आपका बंटी से लोकप्रियता प्राप्त करने वाली मन्नू भंडारी विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में प्रेमचंद सृजनपीठ की अध्यक्षा भी रहीं।
- लेखन का संस्कार उन्हें विरासत में मिला। उनके पिता सुख सम्पतराय भी जाने माने लेखक थे।

मन्नू भंडारी:

कृति परिचय

मन्नू भंडारी: कृति परिचय

§ कहानी:-

- एक प्लेट सैलाब (१९६२)
- मैं हार गई (१९५७),
- तीन निगाहों की एक तस्वीर,
- यही सच है (१९६६),
- त्रिशंकु
- आंखों देखा झूठ
- अकेली - यह कहानी सोमा बुआ नाम के पात्र को केंद्र में रखकर लिखी गई है। सोमा अपने पास पड़ोस से घुलने-मिलने के प्रयासों के बावजूद अकेली पड़ जाती है। वह अकेली इसलिए है क्योंकि वह परित्यक्ता है, बूढ़ी हो चली है तथा उसका पुत्र भी उसे छोड़कर जा चुका है। अपने परिवेश के साथ घुलने मिलने के उसके प्रयास भी एक तरफा हैं।

§ उपन्यास:-

आपका बंटी (१९७१) - यह उपन्यास विवाह वि छेद की त्रासदी में पिस रहे एक ब चे को केंद्र में रखकर लिखा गया है।

एक इंच मुस्कान(१९६२) - लेखक और पति राजेंद्र यादव के साथ लिखा गया उनका उपन्यास *एक इंच मुस्कान* पढ़े लिखे आधुनिक लोगों की एक दुखांत प्रेमकथा है जिसका एक-एक अंक लेखक-द्वय ने क्रमानुसार लिखा।

महाभोज (१९७९) - यह उपन्यास नौकरशाही और राजनीति में व्याप्त ष्टाचार के बीच आम आदमी की पीड़ा को उद्घाटित करता है। इस उपन्यास पर आधारित नाटक अत्यधिक लोकप्रिय हुआ था। इसीप्रकार,

यही सच है - पर आधारित रजनीगंधा नामक फिल्म अत्यंत लोकप्रिय हुई थी और उसको १९७४ की सर्व ` फिल्म का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

पुरस्कार और सम्मान

- हिन्दी अकादमी,
- दिल्ली का शिखर सम्मान,
- भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता,
- राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,
- व्यास सम्मान और
- उत्तर-प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा पुरस्कृत।

धन्यवाद